उपराष्ट्रपति, भारत

<u>संदेश</u>

मुझे संसद सदस्य, श्री सूर्यकान्तभाई आचार्य के निधन का समाचार सुनकर गहरा दु:ख हुआ है।

श्री सूर्यकान्तभाई आचार्य ने हमेशा गरीबों और पददलितों के हितों की हिमायत की और उन्हें अपने समर्पण, लोक सेवा की भावना और ईमानदारी के लिए सदैव याद किया जाएगा।

मैं तथा मेरी धर्मपत्नी शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों तथा उनके अनेक प्रशंसकों और मित्रों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं तथा ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें इस गहन दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करे।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली
21 दिसम्बर, 2009